Under CSR Support by ipca | Foundation missiongyan

अध्याय – 02 | तुलसीदास

QUIZ-01

1. **राम ने परशुराम को किस रूप में संबोधित किया?**
   A. दास
   B. स्वामी
   C. मालिक
   D. ईश्वर (A)

व्याख्या : राम ने स्वयं को परशुराम का दास बताकर विनम्रता प्रकट की।

2. **परशुराम ने शिव धनुष तोड़ने वाले को किसके समान बताया?**
   A. राम के
   B. लक्ष्मण के
   C. सहस्त्रबाहु के
   D. वशिष्ठ के (C)

व्याख्या : परशुराम ने धनुष तोड़ने वाले को सहस्त्रबाहु के समान शत्रु माना।

3. **परशुराम ने सभा को क्या कहकर धमकाया?**
   A. सभ्य समाज को छोड़कर बाहर आ जाए
   B. यहाँ उपस्थित सारे राजा मारे जाएँगे
   C. उपर्युक्त दोनों
   D. इनमें से कोई नहीं (C)

व्याख्या : परशुराम ने चेतावनी दी कि या तो सभा छोड़ो अन्यथा सब राजाओं का वध कर दूँगा।

4. **परशुराम का अपमान करते हुए कौन बोलते हैं?**
   A. लक्ष्मण
   B. जनक
   C. राम
   D. उपर्युक्त सभी (A)

व्याख्या : यहाँ परशुराम का अपमान करने वाले लक्ष्मण हैं, जिन्होंने हँसते हुए कटाक्ष किए।

5. **लक्ष्मण ने परशुराम से क्या कहा?**
   A. बचपन में बहुत धनुष तोड़े हैं
   B. तब तो आपको गुस्सा नहीं आया
   C. इस धनुष पर इतना प्यार क्यों है?
   D. उपर्युक्त सभी (D)

व्याख्या : लक्ष्मण ने इन सभी बातों को व्यंग्यात्मक ढंग से कहा।

6. **"नाथ संभु धनु भंजनिहारा" पंक्ति में किसकी ओर संकेत है?**
   A. जनक
   B. राम
   C. परशुराम
   D. लक्ष्मण (B)

व्याख्या : यहाँ राम का उल्लेख है, जिन्होंने शिव धनुष तोड़ा।

7. **परशुराम ने राम को किस दोष का भागी बताया?**
   A. अभिमानी
   B. शत्रु के समान
   C. निर्दयी
   D. असभ्य (B)

व्याख्या : परशुराम ने राम को सहस्त्रबाहु के समान शत्रु मान लिया।

8. **"सुनहु राम जेन्ह संभु धनु तोरा" पंक्ति से क्या भाव प्रकट होता है?**
   A. परशुराम राम को आदर दे रहे हैं
   B. परशुराम राम को शत्रु मान रहे हैं
   C. परशुराम सभा की प्रशंसा कर रहे हैं
   D. परशुराम जनक का सम्मान कर रहे हैं (B)

व्याख्या : इस पंक्ति में परशुराम का क्रोध और राम को प्रतिद्वंद्वी मानने का भाव है।

9. **लक्ष्मण ने परशुराम को किस प्रकार का व्यंग्य किया?**
   A. धनुष पर अनावश्यक मोह रखने का
   B. छोटे-बड़े सभी धनुष तोड़ने पर
   C. क्रोधी स्वभाव पर
   D. उपर्युक्त सभी (D)

व्याख्या : लक्ष्मण ने परशुराम को अनेक प्रकार से व्यंग्य किया, विशेषकर धनुष पर मोह के कारण।

10. **इस प्रसंग से क्या शिक्षा मिलती है?**
    A. बिना कारण क्रोधित नहीं होना चाहिए
    B. स्वयं को सर्वश्रेष्ठ नहीं समझना चाहिए
    C. विनम्रता का पालन करना चाहिए
    D. उपर्युक्त सभी (D)

व्याख्या : यह प्रसंग सिखाता है कि विनम्र बने रहना चाहिए और बिना कारण क्रोध व अभिमान करना उचित नहीं।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video Courses | Quiz | PDF | Test Series
Download Mission Gyan App